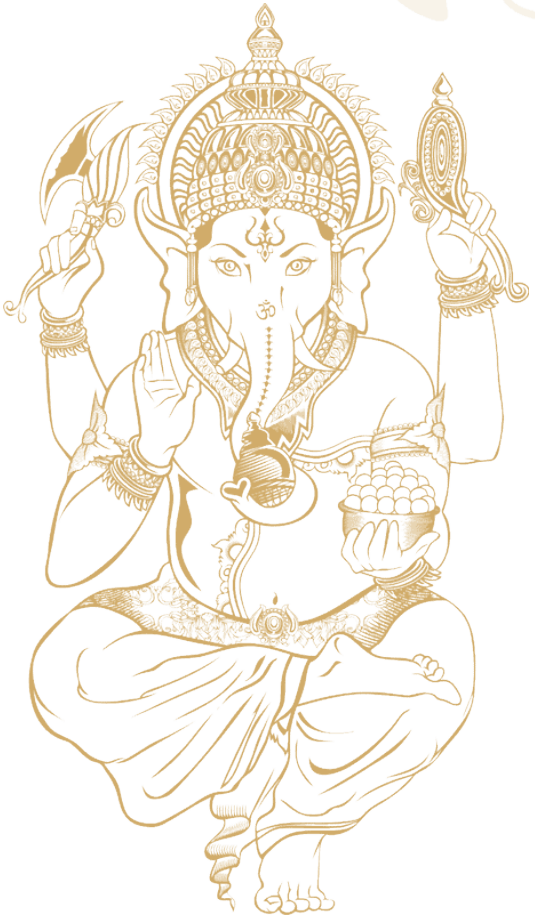

Abhijot

28 Aug 2010

11:15 AM

Giddarbaha

Model: web-freekundliweb

Order No: 121141504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/08/2010**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:15:00 घंटे**
इष्ट	12:53:12 घटी
स्थान	**Giddarbaha**
देश	India

अक्षांश	30:12:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:43:40 घंटे
वेलान्तर	-00:01:19 घंटे
साम्पातिक काल	09:09:02 घंटे
सूर्योदय	06:05:43 घंटे
सूर्यास्त	18:58:57 घंटे
दिनमान	12:53:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:49:23 सिंह
लग्न के अंश	16:40:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	बव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:40:58	305:38:42	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	10:49:23	00:57:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	19:25:16	12:01:20	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	24:21:34	00:38:46	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	सिंह	22:24:58	00:41:59	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	07:23:17	00:06:20	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	स्वराशि
शुक्र			कन्या	26:28:32	00:53:37	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	नीच राशि
शनि			कन्या	09:40:42	00:06:48	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	16:19:33	00:08:41	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	16:19:33	00:08:41	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		मीन	05:32:16	00:02:07	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप	व		कुंभ	03:04:29	00:01:37	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	08:51:10	00:00:31	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	20:47:21	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:39

लग्न-चलित

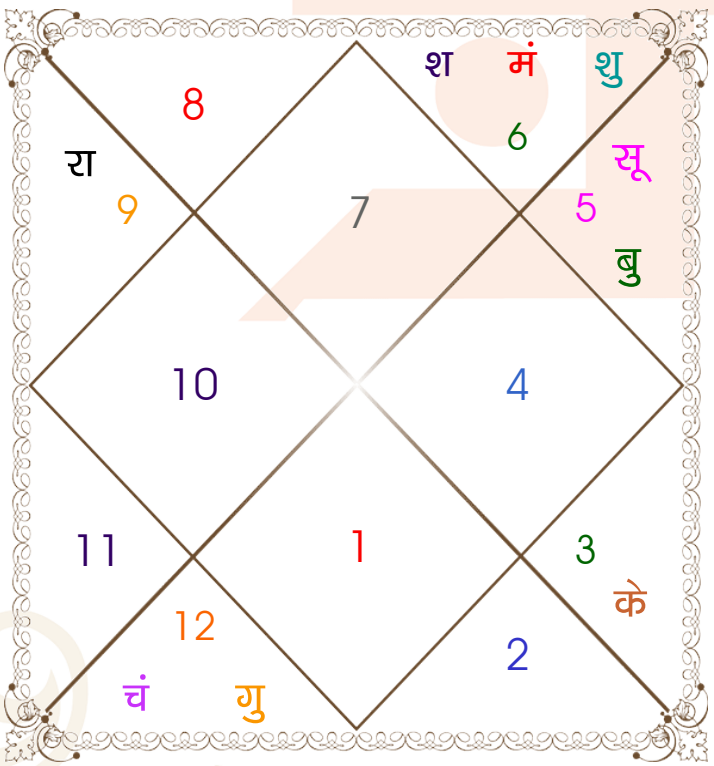

चन्द्र कुंडली

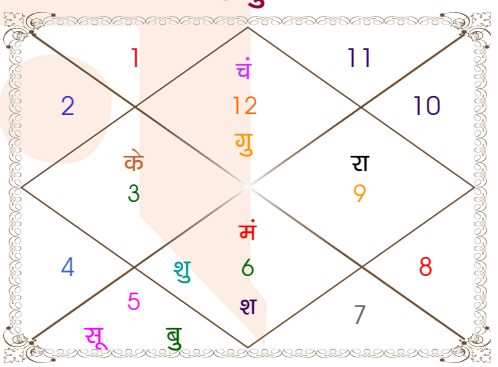

नवमांश कुंडली

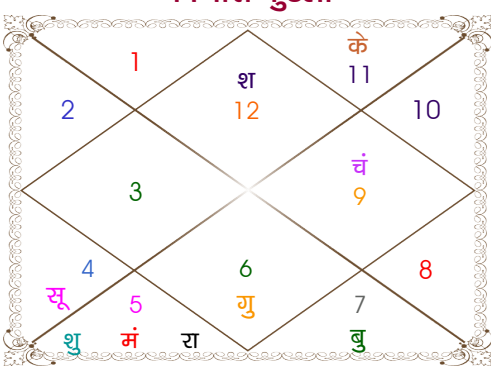

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 13 वर्ष 5 मास 26 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/08/2010		23/02/2024		22/02/2031		22/02/2051		22/02/2057	
23/02/2024		22/02/2031		22/02/2051		22/02/2057		22/02/2067	
	00/00/0000	केतु	21/07/2024	शुक्र	24/06/2034	सूर्य	12/06/2051	चंद्र	23/12/2057
	28/08/2010	शुक्र	20/09/2025	सूर्य	24/06/2035	चंद्र	11/12/2051	मंगल	24/07/2058
शुक्र	18/05/2013	सूर्य	26/01/2026	चंद्र	22/02/2037	मंगल	17/04/2052	राहु	23/01/2060
सूर्य	24/03/2014	चंद्र	27/08/2026	मंगल	24/04/2038	राहु	12/03/2053	गुरु	24/05/2061
चंद्र	24/08/2015	मंगल	23/01/2027	राहु	24/04/2041	गुरु	29/12/2053	शनि	23/12/2062
मंगल	20/08/2016	राहु	10/02/2028	गुरु	24/12/2043	शनि	11/12/2054	बुध	24/05/2064
राहु	09/03/2019	गुरु	16/01/2029	शनि	22/02/2047	बुध	18/10/2055	केतु	23/12/2064
गुरु	14/06/2021	शनि	25/02/2030	बुध	23/12/2049	केतु	23/02/2056	शुक्र	24/08/2066
शनि	23/02/2024	बुध	22/02/2031	केतु	22/02/2051	शुक्र	22/02/2057	सूर्य	22/02/2067

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/02/2067		22/02/2074		23/02/2092		24/02/2108		23/02/2127	
22/02/2074		23/02/2092		24/02/2108		23/02/2127		00/00/0000	
मंगल	21/07/2067	राहु	04/11/2076	गुरु	12/04/2094	शनि	26/02/2111	बुध	22/07/2129
राहु	08/08/2068	गुरु	31/03/2079	शनि	23/10/2096	बुध	05/11/2113	केतु	19/07/2130
गुरु	15/07/2069	शनि	04/02/2082	बुध	29/01/2099	केतु	15/12/2114	शुक्र	29/08/2130
शनि	24/08/2070	बुध	23/08/2084	केतु	05/01/2100	शुक्र	14/02/2118		00/00/0000
बुध	21/08/2071	केतु	11/09/2085	शुक्र	06/09/2102	सूर्य	27/01/2119		00/00/0000
केतु	17/01/2072	शुक्र	10/09/2088	सूर्य	25/06/2103	चंद्र	27/08/2120		00/00/0000
शुक्र	18/03/2073	सूर्य	05/08/2089	चंद्र	24/10/2104	मंगल	06/10/2121		00/00/0000
सूर्य	24/07/2073	चंद्र	04/02/2091	मंगल	30/09/2105	राहु	12/08/2124		00/00/0000
चंद्र	22/02/2074	मंगल	23/02/2092	राहु	24/02/2108	गुरु	23/02/2127		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 13 वर्ष 5 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।